Media Coverage: Kisan Mela

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेले का आयोजन कल

मंडला । उष्ण कटिवंधीय वन अनुसंधान संस्थान जवलपुर द्वारा 11 मार्च 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र मंडला में किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है।मेले का उद्देश्य विभिन्न सरकारी संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विकसित आसानी से हस्तांतरणीय प्रौद्योगिकियों के साथ किसानों की सहायता करना है। यह किसानों, आदिवासियों और अकाष्ट वन उपजों एवं औषधीय पौधों आश्रित हितधारकों को वित्तीय योजनाओं और कृषि वानिकी एवं वानिकी गतिविधियों में सहायता के लिए मंच प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय राज्य मंत्री, इस्पात और ग्रामीण विकास, भारत सरकार रहेंगें। मध्यप्रदेश राज्य वन विभागों एवं उनकी संबद्ध एजेंसियों, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जवलपुर और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदाय किया जाएगा। साथ ही कृषक परिर्च्या द्वारा कृषकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा ।

कल आएंगे मंत्री कुलस्ते

मंडला केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फगन सिंह कुलस्ते का 11 मार्च 2022 को जिला मंडला आगमन हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री कुलस्ते 11 मार्च को 8:30 बजे जबलपुर से मंडला के लिए रवाना होंगे एवं 10 बजे मंडला पहुंचकर कष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला में आयोजित किसान मेला में भाग लेंगे। इसके बाद श्री कुलस्ते 4 बजे मंडला से हरदोली के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्वतंत्र मत

कृषि विज्ञान में किसान मेला कल

मण्डला। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा 11 मार्च को कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय राज्य मंत्री इस्पात और ग्रामीण विकास भारत सरकार रहेंगें। मध्यप्रदेश राज्य वन विभागों एवं उनकी संबद्ध एजेंसियों, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदाय किया जाएगा। साथ ही कृषक परिचर्चा द्वारा कृषकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

The Hitavada

Jabalpur City Line | 2022-03-12 | Page- 4 ehitavada.com

TFRI holds *Kisan Mela* to inform farmers about new technology

■ Staff Reporter

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur organised Kisan Mela at Krishi Vigyan Kendra, Mandla on Friday. The fair focused on enlightening farmers with readily transferable technologies developed by ICFRE institutes more so of TFRI. It also provided platform to acquaint farmers, tribals and otherforest dependent populations including non-wood forest produce and medicinal plant dealers with financial schemes and support in Agroforestry & Forestry activities. More than 400 farmers enthusiastically attended the event.

Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI extended warm welcome to all the eminent guests, farmers and other participants of the fair. He briefed about various technologies developed by the institute and importance of extension of these for benefit of the farmers. Assuring them constant support and guidance by the institute, he encouraged them to participate and benefit fully by participation in the event.

A documentary on TFRI in Hindiwas released by chief guest



TFRI, Director, Dr G Rajeshwar Rao seen addressing the programme.

and screened to all to acquaint people present about TFRI and its contribution in the R&D and extension of forest research.

FagganSinghKulaste, Minister of State for Steel & Rural Development and chief guest of the event addressed the gathering on importance of forestry and agricultural organisation for dependent communities. He emphasised on cultivation of bamboo and informed about handicraft packaging and marketing of it's products facility available at the district.

Dr. PKBisen, VC, JNKVV enthusiastically spoke about the benefit of the fair as collaboration of forests and agriculture for benefit of farmers.

Amitabh Agnihotri, Director, SFRI, Jabalpur, Sampatiya Uikey, Member of Rajya Sabha and Saraswati Maravi, President, Jila Panchayat, Mandla were also present.

Organisations like IFFDC, MPSFD, herbal industries, TFRI, JNKVV, DWR etc put up stalls for the benefit of farmers and dignitaries.

स्वतंत्र मत

कृषि विज्ञान केन्द्र में लगा किसान मेला

मण्डला। उष्णकिटबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टी.एफआर.आई. जबलपुर ने 11 मार्च को कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेला का आयोजन किया। यह मेला विभिन्न सरकारी संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विकसित ग्रौद्योगिकियों द्वारा किसानों की सहायता करने पर केंद्रित था। फगगन सिंह कुलस्ते इस्पात ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने आश्रित समुदायों के लिए वानिकी और कृषि संगठन के महत्व पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने बांस की खेती पर जोर दिया और जिले में उपलब्ध हस्तशिल्प पैकेजिंग और इसके उत्पादों के विपणन के बारे में जानकारी दी।



डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन कुलपित जवाहरलाल नेहरू कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय ने किसानों के लाभ के लिए वनों और कृषि के सहयोग के रूप में मेले के लाभ के बारे में उत्साहपूर्वक बात की। संपतिया उड़के राज्यसभा सदस्य, श्रीमती सरस्वती मरावी अध्यक्ष जिला पंचायत सहित राज्य के अन्य प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के किसानों और वनवासियों के लिए मेले के लाभ की सराहना की। डॉ. एस.आर.के. सिंह, निदेशक अटारी जबलपुर ने बांस क्षेत्र में विभिन्न उपयोगों और अवसरों पर बात की। विभिन्न प्रगतिशील विश्व अपनियानों के प्रतिभागियों के साथ लाख बांस की खेती पर अपनी यात्र और अनभय साजा किए।



वंडलां ॲजिनचा | भुआबिछिया | बम्हनीबंगर | नैनपूर | निवास | बीजाडाडी

उत्पादन को विशेष महत्व रेते हुए

ध्याने बाली पीची के लिए एक एक्टम पर्यक्रण तेचा करना होता

अनुसंधान संस्थान हाँ, गुन्न ने अपने म्बारत बापन में संस्थान द्वार करे

के सुधार, अनुसंधान तथा अवधिक

रूप से परचदर्गद गतिविधियाँ के बारे में बताया। निदेशक अटानी

वस्त्रजनके सिंह ने अध्यक्षका वर्ष

हर्गीमवह में केवीके के माध्यम मे किसान हिंत में किए जा रहे प्रथमी

की जानकारी दी। निरंशक एउच बन अनुसंदान संस्थान अधिकाश अन्तिको ने किसानों को अप

ट्रानी करने के लिए 4 किन्दु लागत

में कार्ड, उपन भा उचित मन्य

इत्यादन में बढ़ि तथा कृषि के चाच

आय के चैकल्पिक स्ट्रोत पर विशवार

से पार्थ की। शिक्षेत्रक खरावत्थार

अव्यांतान संस्थान ने फारलों एव

चनिको को खाएनकर से होने

वाले नुकारण के को में बताते हुए इनके नियंत्रण एवं चिनित

सुरवतवारी की उपयोगिता को

बहाने के संबंध में विशवर सकत

क्रिए। क्रिसान मेले के दौरान

गुलासभा सांसद संपतिया उद्येश

केन्द्र का शुभारंभ भी किया। संच से

र्वास शिला के कलाबार सुरेश

नागरेय, बेचा विकास संख्यान के

बेजर सिंह करें, लाख उत्पादक

यलीय खान तथ नीलिंगी,

सारीत एवं खयेर के उत्पादक क्रियान चीची चित्र की मंत्र ची

प्राम्बर्गित किया एक। इस्ते प्रकार

अन्य कियानों का भी मंत्र में

अतिमिन्ने हात सम्मान किया एका

महित जनप्रतिनिधये

निर्देशक अस्प

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोगित हुआ एक दिवसीय किसान मेला

आय दोगुनी करने सरकार संकल्पित

• कृषि को बहावा देने ऐसे आयोजन जरूरी।

हरिस्ति स्वयंत्राभागाद्या

कृषि विद्वान मेहरता में भारतीय कृषि अनुसंधन परिषद् खनिको अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंदला तथा नावादी के संबंधत तावाध्यन में एक दिवसीय किसान मेला आवीजिंग हुआ। मेले में मुख्य अधिक के रूप में केन्द्रीय इस्पात एवं डायीण विकास राज्यमंत्री श्री फानन सिंह कुलस्ते जामिल हुए।

एक विकारित क्रिस्टन येले को संबंधित करने हुए केन्द्रीय मंत्री औ कुलाले ने कहा कि मंद्रला एवं आरम्बय के क्षेत्र में उज्जत कृषि एवं वर्षियों के विकास के लिए इस प्रवार के नेलों का आयोजन महत्त्ववृत्रों है। केन्द्र एवं ग्रन्थ सरकार किन्छन्ते को अरथ को द्वानी करने के लिए कुल संकल्प है। इस प्रकार के किसान नेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषतों से मर्गेकांन प्राप्त करते है जिनका



भी पहला है। केल्डीय मंत्री ने बलाया कि कृषि को लाध का गांध बनाने जनुर्धेशन घंध्यानी द्वारा रियार्च बावें किए जा तो हैं। उन्होंने उपरिवट किया है ये करा कि बांध वी खेरी यी अधिक रूप से फायदेसंह है। उन्होंने मंद्राला जिले के विधिन्त क्षेत्री को तका एव भौगेलिक परिस्तिती के अनुरूप वरीकृत करते हुए उन क्षेत्री के किसारी को प्रसाती, करिको तथा अन्य उत्पादन के लिए जागराक करने के निर्देश दिए। श्री कशमते ने

बदाब देने के लिए कार्य हो तो है। आशमी दिनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुइदेशीय उपयोग करना होता:औं कलान्ते ने कहा बि समय-रामप पर कृषि एवं जातिको से संबंधित प्रकाशिक्षण एवं व्हील लगरं। उन्होंने रज-महाबल समूखे को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कही। राज्यमंत्री ने जिले में शहरूत, रेकम, बोदी-कटकी के उत्पादन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार में चर्चा भी वर्धे। एक दिवसीय क्रिसान मेले वर्धे संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संपत्तिक ठाकि ने इस प्रकार

क्रियान वित्र वें बलाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मोची वर्ष एक्टपंत्री हो चौरान के नंत्रक में जियानों के लिए अनेक काल्याणकारी यो तनाएं घंचालित हैं। खेती को लाज संधा बबाने के लिए. विसानों को लगाता प्रतिश्रम एवं जानरूक बारने की आवश्यक्त है। जिला पंचापत आध्यक्ष साम्बली मतर्था ने मंत्रला जिले की भौगोतिक परिस्थितियों के अनुस्थ क्रिमानों को फलात एवं व्यक्तिको कर्य करने के लिए खोचाडिश करने की बात कती। जिला पंचायत उपध्यक्ष क्रीलेच किया ने यन अधिकियों ने बक्तमान बीज उत्पादन वयाओ, जल मंरधम, कोदी-क्टकी के उत्पादी को प्रोत्साहन तथा किसान मेरों के आयोजन से होने बाले फायहें की जनकारी है।

विचार मेंने को पंचीपत करने दूर कुलपति जेहनकेली से विशेष ने करा कि जल-जंबल-जबीन प्रतिदिन बम हो. को है तथा जनसंख्य प्रतिदिन बढ क्षी है, ऐसे में हम सभी को वर्गों के



जनजातीय क्षेत्र में कृषि और वानिकी को बढ़ावा देने मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण : फग्गन सिंह कुलस्ते

मण्डला 🔳 राज न्यूज नेटवर्क

कृषि विज्ञान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित हुआ। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कलपति जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर पीके बिसेन, ऊष्ण कटीबंधीय अनुसंधान संस्थान जबलपुर के निदेशक डॉ. राव, निदेशक अटारी एसआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री, निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान, कलेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपुत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा. वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला डॉ. विशाल मेश्राम, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, जिला नाबार्ड प्रमुख अखिलेश एवं मंडला एवं आसपास के जिलों के किसान उपस्थित थे।

किसान विशेषज्ञों से लें मार्गदर्शन

एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केन्द्र एवं रा%य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने के लिए कृत संकल्प है। इस प्रकार के



किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने अनुसंधान संस्थानों द्वारा रिसर्च कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित किसानों से कहा कि बांस की खेती भी आर्थिक रूप से फायदेमंद है। उन्होंने मंडला जिले के विभिन्न क्षेत्रों को वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप वर्गीकृत करते हुए उन क्षेत्रों के किसानों को फसलों, वानिकी तथा अन्य उत्पादन के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में कृषि को बढावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं। आगामी दिनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुउद्देशीय उपयोग करना होगा।

सरकार ने किसानों के लिए संचालित की योजनाएं

श्री कुलस्ते ने कहा कि समय-समय पर कृषि एवं वानिकी से संबंधित एक्सीविशन एवं स्टॉल लगाएं। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कही। राज्यमंत्री ने जिले में शहतत. रेशम. कोदो-कुटकी के उत्पादन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार से चर्चा भी की। एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। खेती को लाभ धंधा बनाने के लिए किसानों को लगातार प्रशिक्षण एवं जागरूक करने की आवश्यकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को फ्सल एवं वानिकी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-कृटकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले फायदों की जानकारी दी।

जल जंगल जमीन प्रतिदिन हो रही कम

किसान मेले को संबोधित करते हुए

कलपति जेएनकेव्ही श्री बिसेन ने कहा कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है. ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा वनों के सुधार, अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के बारे में बताया। निदेशक अटारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मूल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्त्रोत पर विस्तार से चर्चा की। निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान ने फसलों एवं वानिकी को खरपतवार से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए इनके नियंत्रण एवं चिन्हित खरपतवारों की उपयोगिता को बढ़ाने के संबंध में विचार साझा किए।

मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का हुआ शुभारंभ

एक दिवसीय किसान मेले का प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। किसान मेले के दौरान राज्यसभा सांसद संपतिया उईके सहित जनप्रतिनिधयों एवं अतिथियों ने मशस्त्रम बीज उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केहर सिंह बर्वे, लाख उत्पादक सलीम खान तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान बीपी सिंह को मंच से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार अन्य किसानों का भी मंच से अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। जनजातीय प्रतिनिधियों ने केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री कुलस्ते का परंपरागत मुकुट पहनाकर सत्कार किया। अतिथियों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा तैयार की गई यूजलेटर और वृत्तचित्र पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मार्च, 2022



मंडला-डिंडौरी

हाईस्कूल डालाखापा में बिजली व पानी की सुविधा न होने छात्र–छात्राएं हो रहे परेशान पेज नं. 12



भुआबिछिया-निवास-शहपुरा-करंजिया

www.naidunia.com

बांस की खेती भी आर्थिक रूप समृद्ध बनाने में फायदेमंदः कुलस्ते

किसान मेला 🔍 जनजातीय क्षेत्र में कृषि एवं वानिकी को बढ़ावा देने मेलों का आयोजन जरूरी, मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का शुभारंभ





दीपप्रञ्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए केंद्रीय मंत्री कुलरते वअन्य जनप्रतिनिध । **® सौजन्य : जनसंपर्क विभाग**

किसान व कलाकारों का सम्मान किया गया। कलेक्टर द्वारा सम्मान करते हुए। • सौजन्य : जनसंपर्क विभाग

मंडला (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकों के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्त्वपूर्ण हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने केलिण बत संकल्प है।

करत कारार पूर्वा स्वयत्य है। इस प्रकार के किसान मेलों के आयोज्ज से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मागंवर्शन प्राप्त करते हैं किस्का उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। एक विद्याय किसान मेले संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कें प्रीय मंत्री फरगन सिंह कुलस्ते ने कहीं। कुर्यि विज्ञान मंडला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिपव, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला तथा नावार्ड के संयुक्ता तथाधान में एक विवसीय किसान मेला अग्योजित किया गया।

कृतिप को लाभ का धंधा बनाएं: केंद्रीय मंत्री कुलस्ते ने कहा कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने अनुसंधान संस्थानों इहार सिस्चं कार्य किए जा रहे हैं। किसानों से कहा कि वांस की खेती भी आधिक रूप से फायवे मंद है। उन्होंने मंडला जिले के विभिन्न क्षेत्रों को वर्षा एवं भीगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप पर्योक्षत करते हुए उन क्षेत्रों के किसानों को फस्त्यों, वानिकी तथा अन्त इत्यादन के लिए जागरूक करने कहा। मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने केलिए



कार्यक्रम में उपस्थित किसान व विभागीय अधिकारी । 🌣 **सीजन्य : जनसंपर्क विभाग**

कार्य हो रहे हैं।

आगामी किनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुउदेशीय उपयोग करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समय-समय पर कुपि एवं वानिकों से संबंधित एक्सीयिश एवं स्टॉल लगाएं। जहाँने स्व-सहायदा समूहों को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कहीं। राज्यमंत्री ने जिल्ले में शाहतून, रेशम, कोवाँ-जुटकी के उत्पावन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार से चर्चा शी करें।

लगातार प्रशिक्षण की आवश्यकताः एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए राज्यसमा सदस्य संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोबी एवं मुख्यमंत्री चीहान के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। खेती को लाभ धंधा बनाने के लिए किसानों को लगातार प्रशिक्षण एवं जागरूक करने की आवस्यकता हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला की की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूष किसानों को फसल एवं वानिकी कार्य

करने के लिए प्रोत्साहित करने की वात कहीं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओं, जल संरक्षण, कोवो-कुटकी के उत्पावों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आवाज से होने वाले फायदों की जानकारी थी।

आने वाली पीड़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा: किसान मेले को संबोधित करते हुए कुलपति जेएनकेन्द्री पीके विसेन ने कहा के जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो से हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन वह सही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए अने वाली पीढ़ी के लिए एक स्कस्थ पर्योक्तरण तैमार करना होगा। निवेशक ऊण कटिकंधीय असुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान इग्रा वानों के सुधार, असुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के वारे में बताया। निवेशक अस्टारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तिसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी थी।

प्रवास का जानकाव प्रमुख्धान संस्थान निवेषक राज्य वन अनुस्खान संस्थान अमिताभ अमिहोंद्री ने किसानों की आय दुर्मी करने के लिए 4 विन्दु लागत में कभी, उपज का उचित मुल्य, उत्पावन में वृद्धि तथा कृपि के साथ आय के वैकल्पक स्तोत पर चर्चा की निवेशक खरणतवार अनुसंधान संस्थान ने फसलों एवं वानिकी को खरणतवार से होने वाले नुकसान के वारे में बताते हुए इनकेनियंगण एवं चिन्हित खरणतवारों की उपयोगिता को बढ़ाने के संबंध में विवास साझ किए।

ये रहे उपस्थित: इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कुलपति जवाहर लाल नेहरू कुरी विश्वविद्यालय जवलपुर पीके विसेन, ऊष्ण कटीवधीय जवलपुर ने नेवेशक डॉ. राव, निदेशक अटारी प्रसाआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अमुस्सान संस्थान अमिताभ अभिहोत्ती, निवेशक खरपत्वा अनुसंधान संस्थान, करनेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा वरिष्ठ कृषि वैश्वानिक कृषि विश्वान केंद्र मंडला डा. विश्वाल मेश्राम, जिला नावांद्र प्रमुख अधिलेश एवं मंडला एवं आसपार के जिलों के किसान उपस्थितथे।

के जिलों के किसान उपस्थितथे।
एक विवसीय विभाग मेले का प्रारंपुख्य अतिथियों द्वारा वीप प्रज्जवलके साथ हुआ। किसान मेले के दौराराज्यसभा सदस्य संपतिया उईके सिंहर
जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने महालवीज उपायन केंद्र का शुभारंभ भी किम मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरंनामवेव, वैगा विकास संस्थान के केंद्रसिंह ववें, लाख उत्पादक स्लीमखान तथनीलिगिरी, सागीन एवं खमेर के उत्पादक किसान वीपी सिंह को मंच से सम्मानित

किसानों को भी मंच से अतिथियं द्वारा सम्मान किया गया। जनजाती प्रतिनिधियों ने केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यांकी कुरास्ते का परंपराण मुकुट पहनाकर सन्कर किया अतिथियं द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधा-संस्थान द्वारा तैयार को गई यूजनेट और वृत्तचित्र पुस्तिका का विमोचन भी कियागवा।

कि**सानों की आय बढ़ाने सरकार दृढ़ संकल्पित** कृषि एवं वानिकी को बढ़ावा देने आयोजित मेंले में केंद्रीय मंत्री कुलस्ते हुए सम्मिलत



भारकर न्युज, मंडला

कृषि विज्ञान मंडला में भारतीय कृषि अनसंधान परिषद. वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री प्रगन सिंह कुलस्ते शामिल हए। राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कुलपति जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर पी.के. बिसेन, कटीबंधीय अनुसंधान संस्थान जबलपुर के निदेशक डॉ. राव. निदेशक अटारी एसआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अग्निहोत्री, अमिताभ निदेशक खरपतवार अनसंधान संस्थान. कलेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस

अधीक्षक यशपाल सिंह राजपत. जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला डॉ. विशाल मेश्राम, किष वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, जिला नाबार्ड प्रमुख अखिलेश एवं मंडला एवं आसपास के जिलों के किसान उपस्थित थे।

श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत किष एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय को दुग्नी करने के लिए कृत संकल्प है। इस प्रकार के किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं।



राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनरूप किसानों को पसल एवं वानिकों कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-क्टकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले पायदों की जानकारी दी।

क्लपति जेएनकेव्ही श्री बिसेन ने कह्य कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में

द्वारा वनों अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से प्रयदेमंद गतिविधियों के बारे में

निदेशक अटारी एसआस्के सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुग्नी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मुल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्त्रोत पर विस्तार से चर्चा की।मशरूम बीज उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केहर सिंह बर्वे, लाख उत्पादक सलीम खान तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान बीपी सिंह को मंच से सम्मानित किया गया।

